संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. तृतीय वर्ष	
सत्र	2021–2022	
विषय	हिंदी साहित्य	
प्रश्न–पत्र	द्वितीय	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुंदेली भाषा साहित्य	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

अधिगम (Course Out Come)

1. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों और परम्पराओं का ज्ञान
2. सृजनात्मक क्षमता का विकास
3. मानवीय संवेदनाओं का बोध
4. क्षेत्रीय बोली से जुडे साहित्य और साहित्यकारों के अध्ययन के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, जीवन मूल्यों एवं परम्पराओं का ज्ञान

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	**नाटकः** 'भारत दुर्दशा– भारतेंदु, **निबंध**–'कविता क्या है' : पं. रामचंद्र शुक्ल, कुटज : हजारी प्रसाद द्विवेदी, संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)। **बुंदेली भाषा** : ईसुरी, जगनिक, माधव शुक्ल मनोज एवं संतोष सिंह बुंदेला की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।
द्वितीय इकाई	भारत दुर्दशा तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।
तृतीय इकाई	नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिंदी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास। (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तांत)
चतुर्थ इकाई	पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बुन्देली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।
पंचम इकाई	द्रुत पाठ – लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, धर्मवीर भारती, बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

पाठ्य–पुस्तक – हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुंदेली भाषा साहित्य

प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अंक विभाजनः–

नियमित–40

खण्ड–अ– 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न) 1×5= 05 अंक

खण्ड–ब– लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न) 3×3=9 अंक

खण्ड–स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न) 8×2=16 अंक

ब– टिप्पणी (पाँच–पाँच अंकों की कुल 2 टिप्पणियाँ) 5×2=10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन (10 अंक)

तिमाही 5 अंक, छैमाही 5 अंक